



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 2007/फाल्गुन 18, 1928

No. 100]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 2007/PHALGUNA 18, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2007

सं. 19/2007—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 185(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 और वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय (तीसरा संशोधन) नियम, 2007 है।

(2) यह दिनांक 1 अप्रैल, 2007 से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 नियम 9, में उप-नियम (2) में, परंतु में, शब्द “निर्धारण मूल्य” के स्थान पर “निर्धारण मूल्य, इनवॉइस को जारी करने वाले व्यक्ति का केन्द्रीय उत्पाद या सेवा कर रजिस्ट्रेशन सं.” प्रतिस्थापित किया जायेगा।

[फा. सं. 334/1/2007—टी.आर.यू.]

आर. श्रीराम, उप सचिव

टिप्पण :—मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण में अधिसूचना सं. 23/2004 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.) तारीख 10 सितम्बर, 2004 में सा.का.नि. 600 (अ) द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 10/2007—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी) द्वारा किया गया था जो सा.का.नि. 150(अ), तारीख 1 मार्च, 2007 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 2007

No. 19/2007-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 185(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and Section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2004, namely :—

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Third Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 2007.

2. In the CENVAT Credit Rules, 2004, in rule 9, in sub-rule (2), in the proviso, for the words “assessable value”, the words “assessable value, Central Excise or Service Tax registration number of the person issuing the invoice, as the case may be” shall be substituted.

[F. No. 334/1/2007-TRU]

R. SRIRAM, Dy. Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary *vide* notification No. 23/2004-Central Excise (N.T.), dated the 10th September, 2004, *vide* G.S.R. 600 (E), dated the 10th September 2004, and were last amended *vide* notification No. 10/2007—Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2007, *vide* G.S.R. 150(E), dated the 1st March, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2007

सं. 38/2007-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 186(अ).—अभिहित प्राधिकारी, जनवादी गणराज्य चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विषयगत देश भी कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों (जिसे इसमें इसके पश्चात् विषयगत माल भी कहा गया है) जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 अथवा 6908 के अंतर्गत आती हैं, के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1 तारीख 5 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

(क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध माल का सामान्य से कम मूल्य पर निर्यात हुआ है जिसके कारण पाटन हुआ है;

(ख) भारतीय उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई है;

(ग) विषयगत देशों से आयातों के कारण क्षति हुई है;

और घरेलू उद्योग में क्षति लोप करने के लिए विषयगत देशों से विषयगत माल के सभी आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करना आवश्यक समझा है;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-11, खंड-3, उप-खंड (1) तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003, सा.का.नि. 376 (अ) तारीख 1 मई, 2003 द्वारा उक्त विषयगत माल पर प्रति पाटन शुल्क अधिरोपित किया है।

और जबकि मैसर्स गुनांगडोंग मोनालिसा सिरामिक कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य एवं मैसर्स फोषान मोनालिसा इंडस्ट्रीज कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उनके द्वारा किये गये निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-1, खंड-1 तारीख 31 जनवरी, 2007 में प्रकाशित न्यू शिपर समीक्षा अधिसूचना सं. 15/10/2006-डी.जी.ए.डी. तारीख 31 जनवरी, 2007 द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक विषयगत माल का उक्त पार्टियों द्वारा सभी निर्यातों पर, अनन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर यह आदेश देती है कि मैसर्स फोषान मोनालिसा इंडस्ट्रीज कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा निर्यातित और मैसर्स गुनांगडोंग मोनालिसा सिरामिक कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) द्वारा उत्पादित, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के प्रथम अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विषयगत माल की सभी निर्यातों पर, उसके भारत में आयात होने पर, समीक्षा पूर्ण होने तक, उसका अनन्तिम मूल्यांकन किया जायेगा।

2. अनन्तिम मूल्यांकन के लिए ऐसी गारंटी आवश्यक होगी, जो सीमाशुल्क के सक्षम अधिकारी द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की स्थिति में, अपर्याप्तता की अदायगी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपाटन शुल्क की सिफारिश करते हैं, आयातक, भारत में, मैसर्स फोषान मोनालिसा इंडस्ट्रीज कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) के साथ मैसर्स गुनांगडोंग मोनालिसा सिरामिक कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) द्वारा किये गये विषयगत माल के आयातों पर, समीक्षा के प्रारंभ की तारीख से, प्रतिपाटित शुल्क की रकम अदा करने के लिए जिम्मेदार होगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टी.आर.यू.]

सोनल बजाज, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 2007

No. 38/2007-CUSTOMS

G.S.R. 186(E).—Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as “the subject goods”), falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the People’s Republic of China and United Arab Emirates (UAE) (hereinafter referred to as “the subject countries”) and imported into India, the designated authority vide its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that—

- (a) the subject goods have been exported to India from UAE and the subject countries below its normal value resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries; and

had considered it necessary to impose anti-dumping duty on all imports of the subject goods from the subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on the subject goods vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st May, 2003 vide number G.S.R. 376 (E), dated the 1st May, 2003;

And whereas, M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People’s Republic of China and M/s. Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People’s Republic of China have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority, vide new shipper review notification No. 15/10/2006-DGAD dated the 31st January, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 31st January, 2007, has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the said M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People’s Republic of China and M/s. Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People’s Republic of China till the completion of the review by them;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-rule (2) of Rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, exported by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People’s Republic of China and M/s. Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People’s Republic of China, when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports into India of the subject goods from M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People’s Republic of China and M/s. Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People’s Republic of China, from the date of initiation of the said review.

[F.No. 354/214/2001-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2007

सं. 39/2007-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 187(अ).—अभिहित प्राधिकारी, जनवादी गणराज्य चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विषयगत देश भी कहा गया है) में मूलतः उद्गमित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से भिन्न विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों (जिसे इसमें इसके पश्चात् विषयगत माल भी कहा गया है) जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 अथवा के अंतर्गत आती हैं, के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, तारीख 5 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

- (क) जनवादी गणराज्य चीन और संयुक्त अरब अमीरात से भारत में विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों का सामान्य से कम मूल्य पर निर्यात हुआ है जिसके कारण पाटन हुआ है;
- (ख) भारतीय उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई है;
- (ग) विषयगत देशों से आयातों के कारण क्षति हुई है;

और घरेलू उद्योग से क्षति लोप करने के लिए विषयगत देशों के विषयगत माल के सभी आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करना आवश्यक समझा है;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक 73/2003-सीमाशुल्क, तारीख 1 मई, 2003, सा.का.नि. 376(अ) तारीख 1 मई, 2003 द्वारा उक्त विषयगत माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया है;

और जबकि बायोमा सिरामिक्स के रूप में ज्ञात मैसर्स फोशन नानहाई जिंग्यू सेरामिक्स कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मैसर्स शाई इंटरनेशनल लि., हांगकांग (निर्यातक) ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उनके द्वारा किये गये निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, तारीख 25 जनवरी, 2007 में प्रकाशित न्यू शिपर समीक्षा अधिसूचना सं. 15/23/2007-डी.जी.ए.डी., तारीख 25 जनवरी, 2007 द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक विषयगत माल का उक्त पार्टियों द्वारा सभी निर्यातों पर, अनन्तिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर यह आदेश देती है कि मैसर्स शाई इंटरनेशनल लि., हांगकांग (निर्यातक) द्वारा निर्यातित और बायोमा सेरामिक्स के रूप में ज्ञात मैसर्स फोशन नानहाई जिंग्यू सेरामिक्स कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) द्वारा उत्पादित, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के प्रथम अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विषयगत माल की सभी निर्यातों पर, उसके भारत में आयात होने पर, समीक्षा पूर्ण होने तक, उसका अनन्तिम मूल्यांकन किया जायेगा।

2. अनन्तिम मूल्यांकन के लिए ऐसी गारंटी आवश्यक होगी, जो सीमाशुल्क के सक्षम अधिकारी द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की स्थिति में, अपर्याप्तता की अदायगी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपाटन शुल्क की सिफारिश करते हैं, आयातक, भारत में बायोमा सेरामिक्स के रूप में ज्ञात मैसर्स फोशन नानहाई जिंग्यू सेरामिक्स कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मैसर्स शाई इंटरनेशनल लि., हांगकांग (निर्यातक) द्वारा किये गये विषयगत माल के आयातों पर, समीक्षा के प्रारंभ की तारीख से, प्रतिपाटित शुल्क की रकम अदा करने के लिए जिम्मेदार होगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टी.आर.यू.]

सोनल बजाज, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 2007

No. 39/2007-CUSTOMS

G.S.R. 187(E).—Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as “the subject goods”), falling under chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the People’s Republic of China and United Arab Emirates (UAE) (hereinafter referred to as “the subject countries”) and imported into India, the designated authority vide its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that—

- the subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value resulting in dumping;
- the Indian industry had suffered material injury;
- the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

and had considered it necessary to impose anti-dumping duty on all imports of the subject goods from the subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on the subject goods vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st May, 2003 vide number G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003;

And whereas, M/s. Foshan Nanhai Jingyu Ceramics Company Ltd., known as Bioama Ceramics, People's Republic of China, producer with M/s. Shye International Ltd., Hong Kong as exporter have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority, vide new shipper review notification No. 15/23/2007-DGAD, dated the 25th January, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 25th January, 2007, has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the said M/s. Foshan Nanhai Jingyu Ceramics Company Ltd., known as Bioama Ceramics, the People's Republic of China, producer with M/s. Shye International Ltd., Hong Kong as exporter till the completion of the review by it;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, produced by M/s. Foshan Nanhai Jingyu Ceramics Company Ltd., known as Bioama Ceramics, the People's Republic of China, with M/s. Shye International Ltd., Hong Kong as exporter, when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports into India of the subject goods from M/s. Foshan Nanhai Jingyu Ceramics Company Ltd., known as Bioama Ceramics, the People's Republic of China, producer with M/s. Shye International Ltd., Hong Kong as exporter, from the date of initiation of the said review.

[F.No. 354/214/2001-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

80091707-2